

पेज -4  
पर

# जोहर छत्तीसगढ़

देविक हिन्दी

पेज -8  
पर

◆ वर्ष: -15 ◆ अंक: 338

डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 3 ₹ ◆ पृष्ठ: 8

धरमजयगढ़, बुधवार 4 अक्टूबर 2023

लैलुंगा विधान सभा में हृदय राम राठिया  
को विधायक के रूप में देखना ...

## बिहार की जातीय जनगणना: लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश का 'चुनावी गणित' भाजपा के लिए नई चुनौती..!

देश एक बार फिर एक नए मोड़ पर आकर खड़ा हो गया है, जिस तरह बिहार में जातीय जनगणना कराई गई और उसके आंकड़े जारी किए गए हैं, तो लगता है कि फिर से जातियों की राजनीति पार्टियों के लिए नया हृथियार बनेगा।

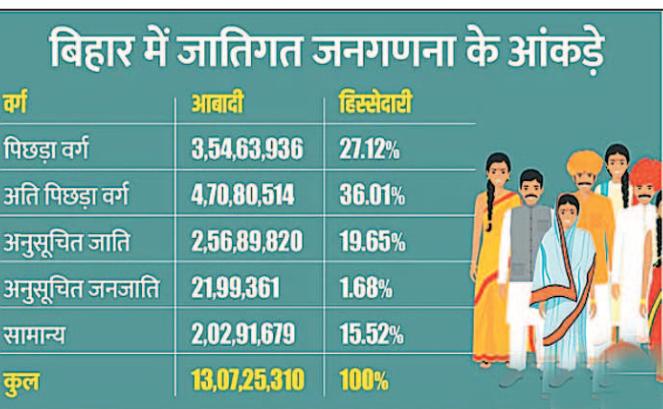
आजादी के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं और सरकार अमृतकाल की बात कह रही है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार दोहरा रहे हैं।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या देश फिर विकास की पटी से उत्तरकर जाति की देने पर चढ़ने को तैयार है। दरअसल, वर्ष 2014 और 2019 में नरेंद्र मोदी की बहुमत चाली चुनावी सफलता ने विपक्षी दलों में वर्ष 2024 से पहले एक बार फिर बेचैनी पैदा की है कि नरेंद्र मोदी पुनः वर्ष 2024 में विजय रथ पर सवार होकर तीसरे कार्यकाल में आ सकते हैं।

पिछले सालों में साल से विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अलग-अलग मुद्दों पर धेरों की असफल कोशिश करता रहा है, लेकिन जातीय जनगणना का नया हृथियार पिछले दिनों बिहार से नीतीश कुमार और लालू प्रसाद वादेव ने इंडिल्यूप्स आरक्षण दिया। देखा जाए तो आरक्षण 50 से बढ़कर 60 प्रतिशत हो गया है और अनारक्षित श्रेणी मात्र 40 प्रतिशत रह गई। तमिलनाडु जैसे राज्य तो 65 भी इस मुद्दे पर मुखर हैं।

कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी बार-बार इस बात को दीखा रहा है कि जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उत्तरी

भागीदारी, लेकिन सवाल यह उठाता है कि जब दुनिया सभी तरह के भेदभावों को दूर करने की पुराज बालात कर रही है और उसे दिखा में आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है तो क्या जाति के आधार पर हिस्सेदारी देने से एक बार फिर बेचैनी पैदा की है कि नरेंद्र मोदी पुनः वर्ष 2024 में विजय रथ पर सवार होकर तीसरे कार्यकाल में आ सकते हैं।



ब्याद देश के स्वर्वं से यह सवाल नहीं पूछा जाता है कि जब हमारा तिरंगा चांद पर पहुंच गया तो जाति के आधार पर राजनीति से हटकर देश की मूल समस्याओं जैसे— गरीब उम्मल, लैंगिक असमानता को दूर करना, शिक्षा का स्तर उत्तेजित राजनीति ने अवसर पैदा करना, नारी अधिकार करना, जल संकट दूर करना जैसे मुद्दों पर केंद्रित नहीं होना चाहिए।

क्या आरक्षण को लेकर एक समीक्षा यह नहीं होनी चाहिए कि कौन सी जातियां हैं, जो आरक्षण के द्वारा में आती हैं, लेकिन उन्हें आज भी इसका लाभ नहीं मिलता है। कुछ खास जातियों को ही आरक्षण का लगातार से ऊपर नहीं होता है। आरक्षण की जितनी सीमा रखी जाए, इस पर भी सभी राजनीतिक दलों को बैठकर सोचने की आधार पर बांट दिये।

### संपादकीय

#### ये तुलना गौरतलब है

अंकसफोर्ड इकानिमिक्स की ताजा रिपोर्ट का सार यह है कि भारत भले दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाला देश बन गया है, लेकिन जहां तक श्रम-शक्ति का बात है, तो इस क्षेत्र वह चीन से कोसों से पीछे है। ब्रिटेन की कंसलिंग एंजिनीरी ऑफिसफोर्ड इकानिमिक्स ने भारत और चीन की श्रम-शक्ति को जो तुलना पेश की है, उसे गंभीरता से तेजे की जैसी जरूरत है। इसपर फिर कि आगे भारत सम्बन्ध एक अंकसफोर्ड इकानिमिक्स की ताजा रिपोर्ट का सार यह है कि भारत भले दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाला देश बन गया है, लेकिन जहां तक श्रम-शक्ति का बात है, तो इस क्षेत्र वह चीन से कोसों से पीछे है। ये एजेंसी अंकसफोर्ड की आधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम के सक्रिय तालास में हों, उनकी संख्या) भारत में शिफ्ट 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आकड़ा 76 प्रतिशत है। और मारग मिलियनों की आबादी के अधार पर यह गंभीरता से तेजे है। मसलन, उन्हें ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागी





सीरियर कपूर ने आओ ना से सिंगर के रूप में किया डेब्यू



AAO NA

तेलुगु सिनेमा में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस सीरियर कपूर ने आओ ना गाने से अपने सिंगर की शुरुआत की है, जो मंगलवार को जारी किया गया। गाने में अमन प्रीत सिंह भी हैं जो एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह के भाइ हैं।

रोमांटिक टाट्टल ट्रैक दिल छू लेने वाला गाना है। इसमें सीरियर कपूर और अमन प्रीत के बाच शानदार कमिस्ट्री दिखाई गई है।

गाने के म्यूजिक वीडियो में अमन प्रीत फोटोग्राफ के रोल में हैं और सीरियर कपूर एक सुपर मॉडल हैं। अमन सीरियर की सुंदरता की ओर खोंचे चाहते हैं और घ्यार में पड़ जाते हैं। वह संरक्षण को अपनी गर्लफ्रेंड के रूप में कल्पना करते हैं और उसके साथ बेतरीन समय बिताते हैं।



## खतरों के खिलाड़ी में मिला शेर खान का टैग मेरे लिए गेम चेंजर हुआ साबित: हिना खान

खतरों के खिलाड़ी सीजन 8 की फाइनलिस्ट शेर खान के नाम से मशहूर एक्ट्रेस हिना खान ने अपने इस टैग के बारे में खुलक कहा। यह तिता अच्छा था और इसने वास्तव में उकाई दुनिया बदल दी।

हिना ने खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में चैलेंजर के तौर पर वापसी की है।

स्टंट-ब्रेक्स रियलिटी शो हर गुरजरे हम्से के साथ डॉ को एक नए लेवल पर बढ़ा रहा है।

एक्शन मास्टर और शो के होस्ट रोहित शेषी, दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन के जंगल में पहले एक्ट्रेस ने कहा: मैं हर माझे में



नहीं देखे गए स्टंट और कर्सेंट्स के साथ भी जूट हैं। चैलेंजर के बारे में खुलक जीवन की अप्रत्याशिता को अपनाने में भी। मैंने वास्तविक दुनिया और रील दोनों में नई चुनौतियों का खुली बाहों से स्वागत करना सीख लिया है। हिना ने

कहा, निर्दलता की इस नई भावना ने अवसरों और रोमांस की एक ऐसी दुनिया खोली ही है जिसे तलाशने में मुझे कभी खिलक होती थी। किसी भी चीज से ज्यादा, वह यात्रा खुद को आगे बढ़ाने की है। यह शो जीवन बदलने वाला अनुभव था जिसने मुझे अंदर से बाहर तक बदल दिया।

## वनडे वर्ल्ड कप 2023 वॉर्म-अप मैच: इंग्लैंड ने बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया; न्यूजीलैंड 7 रन से जीता

वनडे वर्ल्ड कप में सोमवार को 2 वॉर्म-अप मुकाबले खेले गए। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड ने बांग्लादेश को 4 विकेट से हराया। वहीं तिरुअनंतपुरम के गीवफील्ड इंटरलेशनल क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने साथ अफ्रीका को DLS मैथड के तहत 7 रन से हराया। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में बालिंग के कारण मुकाबला 37-37 ओवर को एक टाइटल बल्ले के बाद नियमित रूप से खेला गया। अपार तीसरे ओवर में एक्ट्रेस ने कहा: मैं हर माझे में

इंग्लैंड से रीस टॉली ने 3, वहीं डेविड विली और आदिल रशीद ने 2-2 विकेट लिए। सैम करन और मार्क बुड को 1-1 विकेट मिला।

इंग्लैंड ने 25 वें ओवर में टारगेट घोज किया

इंग्लैंड को DLS मैथड के तहत 197 रन का रिचार्ज टारगेट मिला। टीम से जैनी बेयरस्टो ने 21 गेंद पर ही 34 रन की पारी खेल कर टीम को तो जीत शुरुआत दिलाई। जो रन ने 26, हैरी ब्रूक ने 17 और जास बलर ने 30 रन की पारी खेली आखिरी में मोइन अली ने 56 रन की पारी खेली और 25 वें ओवर में ही टीम को जीत दिलाई।

बांग्लादेश से मुस्टफ़िज़ुर रहमान ने 2 विकेट लिए। वहीं हसन महमूद, शोरफ़ुल इस्लाम, तस्कीन अहमद और नसुम अहमद कर सके। टीम में 37 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 188 रन बलाए।

**वर्ल्ड कप सीरीज, पार्ट-8: दो टीमों के पॉइंट्स बराबर रहे तो क्या होगा, रिजर्व-डे है या नहीं; टूर्नामेंट से जुड़े सभी सवालों के जवाब**



## वनडे वर्ल्ड कप का A टू Z

9-9 मुकाबले खेलेंगी। यानी लीग

स्टेज में कुल 45 मुकाबले होंगे।

नॉकआउट स्टेज में 2 सेमीफाइनल

और एक फाइनल होगा।

लीग स्टेज के 45 में से 39

मुकाबले डे-नाइट होंगे, वहीं 6

मुकाबले दिन के रहेंगे। इन 9 शहरों

में अहमदाबाद, कोलकाता, मुम्बई,

बैंगलोर 2 बजे शुरू होंगे, वहीं

दिन के मुकाबले सुबह 10:30

और 11:30 बजे शुरू होंगे।

हैंडबूल दोनों एक-दूसरे के खिलाफ

भारत के 10 शहरों में टूर्नामेंट

के 48 मैच होंगे। हैंडबूल में 3

मैच होंगे, वाकी 9 शहरों में 5-5

मुकाबले खेले जायेंगे। इन 9 शहरों

में अहमदाबाद, कोलकाता, मुम्बई,

बैंगलोर, दिल्ली, चेन्नई, धर्मशाला,

लखनऊ और पुणे शामिल हैं।

हैंडबूल में भी खेलेंगे।

भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका

भी खेलेंगे।

मुकाबले कहाँ होंगे?

भारत के 10 शहरों में टूर्नामेंट

के 48 मैच होंगे। हैंडबूल में 3

मैच होंगे, वाकी 9 शहरों में 5-5

मुकाबले खेले जायेंगे। इन 9 शहरों

में अहमदाबाद, कोलकाता, मुम्बई,

बैंगलोर, दिल्ली, चेन्नई, धर्मशाला,

लखनऊ और पुणे शामिल हैं।

हैंडबूल में भी खेलेंगे।

भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका

भी खेलेंगे।

मैच के बारे में क्या होगा?

भारत के 10 शहरों में टूर्नामेंट

के 48 मैच होंगे। हैंडबूल में 3

मैच होंगे, वाकी 9 शहरों में 5-5

मुकाबले खेले जायेंगे। इन 9 शहरों

में अहमदाबाद, कोलकाता, मुम्बई,

बैंगलोर, दिल्ली, चेन्नई, धर्मशाला,

लखनऊ और पुणे शामिल हैं।

हैंडबूल में भी खेलेंगे।

भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका

भी खेलेंगे।

मैच के बारे में क्या होगा?

भारत के 10 शहरों में टूर्नामेंट

के 48 मैच होंगे। हैंडबूल में 3

मैच होंगे, वाकी 9 शहरों में 5-5

मुकाबले खेले जायेंगे। इन 9 शहरों

में अहमदाबाद, कोलकाता, मुम्बई,

बैंगलोर, दिल्ली, चेन्नई, धर्मशाला,

लखनऊ और पुणे शामिल हैं।

हैंडबूल में भी खेलेंगे।

भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका

भी खेलेंगे।

मैच के बारे में क्या होगा?

भारत के 10 शहरों में टूर्नामेंट

के 48 मैच होंगे। हैंडबूल में 3

मैच होंगे, वाकी 9 शहरों में 5-5

मुकाबले खेले जायेंगे। इन 9 शहरों

में अहमदाबाद, कोलकाता, मुम्बई,

बैंगलोर, दिल्ली, चेन्नई, धर्मशाला,

लखनऊ और पुणे शामिल हैं।

हैंडबूल में भी खेलेंगे।

भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका

भी खेलेंगे।

मैच के बारे में क्या होगा?

भारत के 10 शहरों में टूर्नामेंट

के 48 मैच होंगे। हैंडबूल में 3





